इक्विटास से आईपीओ फाइनैंसिंग कारोबार में आई मजबूती

ऐश्ली कुटिन्हो
मुंबई, 26 अप्रैल

ब्रोकरेज फर्मों की एनबीएफसी इकाई का बढ़ता कारोबार

- बताया जाता है कि एडलवाइस, आईआईएफएल, जेएम फाइनैंशियल, रिलायंस सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज और आदित्य बिड़ला मनी जैसे ब्रोकरों की एनबीएफसी इकाई ने इक्विटास आईपीओ से संयुक्त रूप से करीब 18,000 करोड़ रुपये का फाइनैंसिंग कारोबार हासिल किया
- दिसंबर में ब्रोकरों की एनबीएफसी इकाइयों ने संयुक्त रूप से एल्केम व डॉ. लाल पैथ लैब्स के आईपीओ में करीब 30,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया था

इक्विटास होल्डिंग्स के कामयाब आईपीओ से आईपीओ के लिए कर्ज की मांग बहाल करने में मदद मिली है, जो देसी ब्रोकरेज फर्मों की एनबीएफसी इकाई देती है। इक्विटास होल्डिंग्स ने शेयरों की बिक्री से करीब 2200 करोड़ रुपये जुटाए और यह इश्यू 7 अप्रैल को बंद हुआ। 109-110 रुपये के कीमत दायरे वाले इस इश्यू को 17 गुना से ज्यादा आवेदन मिला था। गैर-संस्थागत निवेशक की श्रेणी में इसे 57 गुना आवेदन मिला, जिसमें एचएनआई या धनाढ्य निवेशकों की भागीदारी देखने को मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि थायरोकेयर व उज्जीवन फाइनैंशियल सर्विसेज के आगामी आईपीओ में गैर-संस्थागत श्रेणी में ऐसी ही मांग देखने को मिलेगी।

882 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने वाली उज्जीवन ग्रे मार्केट में 40-45 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार कर रही है। इसी तरह डायग्नोस्टिक्स कंपनी थायरोकेयर की योजना 480 करोड़ रुपये जुटाने की है और ग्रे मार्केट में इस पर 220-225 रुपये प्रति शेयर का प्रीमियम चल रहा है। उज्जीवन व थायरोकेयर का कीमत दायरा क्रमश: 207-210 रुपये व 420-446 रुपये है।

ग्रे मार्केट अनाधिकारिक बाजार है, जहां आईपीओ के शेयर स्टॉक एक्सचेंजों पर आधिकारिक रूप से ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध होने से पहले खरीदे-बेचे जाते हैं। ग्रे मार्केट का प्रीमियम जितना ज्यादा होता है, उसकी मांग उतनी ही ज्यादा रहने की संभावना होती है।

आईआईएफएल के प्रमुख (खुदरा ब्रोकिंग) प्रशांत प्रभाकरण ने कहा, हालिया आईपीओ निवेशकों के लिए पर्याप्त रकम छोड़ रहे हैं, जिससे आगामी इश्यू के लिए अच्छी खासी मांग पैदा हो रही है।

सूत्रों के मुताबिक, एडलवाइस, आईआईएफएल, जेएम फाइनैंशियल, रिलायंस सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज और आदित्य बिड़ला मनी जैसे ब्रोकरों की एनबीएफसी इकाई ने इक्विटास आईपीओ से संयुक्त रूप से करीब 18,000 करोड़ रुपये का फाइनैंसिंग कारोबार हासिल किया।

पिछले हफ्ते इक्विटास होल्डिंग्स ने एक्सचेंजों में दमदार शुरुआत की और 34 फीसदी बढ़त हासिल की। यह शेयर 110 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले अंत में 23 फीसदी की बढ़त के साथ 136 रुपये पर बंद हुआ। विशेषज्ञों ने कहा, फंडिंग की लागत को देखते हुए एचएनआई ने इसमें 19-20 रुपये प्रति शेयर का मुनाफा कमाया।

आईपीओ कर्ज मोटे तौर पर एचएनआई लेते हैं, जिन्हें अच्छे खासे प्रीमियम पर शेयर के सूचीबद्ध होने का भरोसा होता है और इस तरह से उन्हें निकट भविष्य में इस शेयर से बाहर निकलने का मौका होता है। इक्विटास होल्डिंग्स के लिए ब्याज दरें 7.5-8.5 फीसदी के दायरे में थीं।

प्रभाकरण ने कहा, फंड की मांग और ब्याज दरें मोटे तौर पर आईपीओ के ळिए आवेदन के आंकड़ों पर निर्भर करती है। सूचीबद्धता की कम अवधि के चलते एनबीएफसी की तरफ से वित्त पोषण की प्रक्रिया निवेशक व वित्त पोषक दोनों के लिए आकर्षक होता है।

पहले के तीन आईपीओ क्विक हील, हेल्थकेयर ग्लोबल और इन्फीबीम इनकॉरपोरेशन की शुरुआत एक्सचेंजों पर कमजोर रही थी और पहले दो शेय अपने इश्यू प्राइस के मुकाबले नीचे रहे थे।

दिसंबर में ब्रोकरों की एनबीएफसी इकाइयों ने संयुक्त रूप से एल्केम व डॉ. लाल पैथ लैब्स के आईपीओ में करीब 30,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।